



# KOKILA VRAT 2024 || जानिए क्यों रखा जाता है कोकिला व्रत ?

## Kokila Vrat 2024

कोकिला व्रत 20 जुलाई 2024 शनिवार को मनाया जायेगा। भारतीय संस्कृति में महिलाओं का एक महत्वपूर्ण व्रत है जिसे प्रति वर्ष विशेष भक्ति और समर्पण के साथ मनाया जाता है। यह व्रत भगवान कोकिला माता को समर्पित है, जिन्हें देवी सरस्वती के रूप में भी जाना जाता है। इस व्रत में महिलाएं सुबह से ही पानी नहीं पीती हैं और पूजा के बाद ही भोजन करती हैं। व्रत के दौरान विशेष प्रार्थनाएँ की जाती हैं और यह संस्कारिक मान्यताओं के अनुसार पूरी श्रद्धा और भक्ति से पालन किया जाता है। इसका पालन करने से मान्यता है कि महिलाओं कोकिला की तरह मिठी और मनमोहक बोलने की कला प्राप्त होती है और इससे उनके पति का दीर्घायु और समृद्धिशाली जीवन होता है। व्रत की परंपरा में इसे विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और साधु-संतों के संग में आचरण किया जाता है जो महिलाओं को साधना, ध्यान और समर्पण का मार्ग दिखाता है।

### कोकिला व्रत क्यों बनाया जाता है जानिये:

मान्यता है कि कोकिला व्रत का प्रारंभ वैदिक काल से हुआ है और यह व्रत महिलाओं के लिए सरस्वती देवी की शक्ति और आशीर्वाद को प्राप्त करने का एक माध्यम है। कोकिला पक्षी को सरस्वती देवी का वाहन माना गया है, जो ज्ञान, कला, संगीत और विद्या की देवी हैं। इसलिए, इस व्रत के द्वारा महिलाएं सरस्वती देवी की आराधना करती हैं और उनसे ज्ञान और कला की वरदान प्राप्त करने की प्रार्थना करती हैं।

कोकिला पक्षी की मधुर ध्वनि को सुनने से माना जाता है कि महिलाओं की भावनाएं और मन की शांति में सुधार होता है। इस व्रत का पालन करने से विशेष रूप से मान्यता है कि महिलाएं को आत्मविश्वास और सामर्थ्य का अनुभव होता है, जिससे उनकी शिक्षा और संस्कार वृद्धि होती है। इसके अलावा, व्रत के दौरान आचार्यों और साधु-संतों से गुरुग्राहण करने का अवसर भी मिलता है, जो ध्यान, परम्परा, और साधना का मार्ग दिखाते हैं।

**कोकिला व्रत के दिन महिलाओं को निम्नलिखित कार्यों का पालन करना चाहिए:**

1. **स्नान और शुद्धि:** सुबह उठकर स्नान करें और शुद्धि के लिए विशेष रूप से संकल्प लें।
2. **सरस्वती पूजा:** सरस्वती माता की पूजा करें। उन्हें सफेद वस्त्र और बेल पत्र से अर्पित करें। विद्या के पुस्तकों का भी पूजन करें।
3. **मंत्र जप और ध्यान:** सरस्वती मंत्रों का जाप करें और ध्यान करें। इससे बुद्धि और विद्या में वृद्धि होती है।
4. **व्रती भोजन:** इस दिन व्रती भोजन का पालन करें। निराहार रहें और सात्विक आहार लें।
5. **संगीत और कला का समर्थन:** सरस्वती माता की कृपा पाने के लिए संगीत और कला के आदर्शों का समर्थन करें।
6. **संतों या आचार्यों से संवाद:** व्रती इस दिन संतों या आचार्यों से भेंट कर सद्गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करें।
7. **कर्मकाण्ड और दान:** इस दिन दान-पुण्य का कर्म करें और गरीबों को आहार, वस्त्र आदि दान दें।

इन कार्यों के द्वारा व्रती सरस्वती देवी की कृपा को प्राप्त कर सकती हैं और ज्ञान, बुद्धि और कला में वृद्धि के लिए आशीर्वाद प्राप्त कर सकती हैं।

## कोकिला व्रत रखने से महिलाओं को क्या लाभ होंगे:

1. **आध्यात्मिक विकास:** व्रत रखने से मन की शुद्धि होती है और आध्यात्मिक विकास होता है। माता सरस्वती की कृपा से विद्या, बुद्धि और कला में वृद्धि होती है।
2. **मानसिक शांति:** व्रत रखने से मानसिक शांति मिलती है और आत्मा को शांति का अनुभव होता है।
3. **संगीत और कला में प्रवृत्ति:** कोकिला व्रत रखने से महिलाओं की संगीत और कला में प्रवृत्ति होती है। सरस्वती माता की आशीर्वाद से उनकी शक्तियों में वृद्धि होती है और वे अपने क्षेत्र में महारत प्राप्त कर सकती हैं।
4. **परिवार की खुशहाली:** व्रत रखने से परिवार में समृद्धि और खुशहाली बढ़ती है। मातृत्व और पतिव्रता के महत्व को समझा जाता है।
5. **आत्मविश्वास और स्थिरता:** व्रत रखने से महिलाओं का आत्मविश्वास और स्थिरता मजबूत होता है। वे अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम होती हैं और जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं।

Read More religious content on

[vedicprayers.com](http://vedicprayers.com)